PlanetRead

Literacy for a Billion

Movie: Fiza
Year: 2000

Song: Aja Mahiya
Lyricist: Gulzar

माही माही रे
आ जा माही मेरे
आ जा माही मेरे आ

आ धूप मलूँ मैं
तेरे हाथों में
आ सजदा करूँ मैं
तेरे हाथों में
ओ सुबह की मेंहदी
छलक रही है
आ जा
आ जा माहिया
आ जा माहिया आ जा
आ जा माहिया
हो ओ आ जा माहिया

आहिस्ता पुकारो
सब सुन लेंगे
बस लबों से छू लो
लब सुन लेंगे
ओ आँख भी कल से
फड़क रही है आ जा

ओ आ जा माहिया

इक नूर से आँखें
चौंक गईं
देखा जो तुझे आईने में

कोई नूर किरण
होगी वो भी
जो चुभने लगी है सीने में

लाल हो जब ये
शाम किनारा
ओढ़ा देना सर पे सारा

चल रोक ले सूरज
छुप जाएगा
पानी में गिर के
बुझ जाएगा

हो ओ... आ जा माहिया
माही रे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.